Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 27-11-2006

Participants : Dubey Shri Chandra Shekhar

>

Title: Need to conduct a CBI inquiry to ascertain the Status of sensitive Defence related technical data lying with BALCO, now taken over by Sterlite Company.

श्री चन्द्र शेखर दूबे (धनबाद) : महोदय, आज पूरे भारत में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं, जिन पर नियंत्रण कर पाना सरकार के लिए चिन्ता का विाय है। ऐसी परिस्थिति में यदि हम तटस्थ रहेंगे तथा सुरक्षा आयुध निर्माण से संबंधित उपव्रङ्कमों पर ध्यान नहीं देंगे तो सुरक्षा के क्षेत्र में अब तक विकसित हमारी तकनीकी जानकारियां अन्य देशों को आसानी से उपलबध हो जायेंगी।

उपरोक्त परिपेक्ष में ज्ञातव्य है कि बाल्कों में भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग द्वारा 1984 में आर ऐंड डी यूनिट लगाया गया था जिसका व्यवहार-ज्ञान कुछ चार पांच देशों को ही प्राप्त था। बाल्कों के पी.टी.एस. यूनिट में अग्नि तथा पृथ्वी मिसाईलों के निर्माण में एक अहम भूमिका निभाई थी तथा अन्य रक्षा सम्बंधी उपकरणें के भी कई पार्टस इसमें बनाये जाते थे।

बाल्को को 2 मार्च, 2001 को विनिवेश कर इस लोक उपलव्रङ्कम को निजि कम्पनी स्टारलाईट को सौंप दिया गया। इस संदर्भ में जाच का विाय है कि इस अति संवेदनशील रक्षा सम्बन्धी तकनीकी जानकारी को विनिवेश के पूर्व भारत सरकार के द्वारा उस संस्थान से वापस लिया गया कि नहीं? बाल्को की पीटीएस यूनिट जहां पर पृथ्वी, अग्नि तथा अन्य रक्षा सम्बन्धी उपकरणें के पार्टस तैयार होते थे उसे सरकार द्वारा अधिगृहीत किया गया अथवा स्टारलाईट को ही सौंप दिया गया, जो रहस्य बना हुआ है। स्टारलाईट कम्पनी द्वारा स्थानीय मीडिया को दी गयी जानकारी में कहा गया है कि बाल्को में रक्षा संबंधी कोई भी निर्माण कार्य नहीं होता था। देश की आंतरिक सुरक्षा के दृटिकोण से यह जांच आवश्यक हो गयी है कि बाल्को के पीटीएस के रक्षा संबंधी रक्त डाई, डिजाईन, अग्नि पृथ्वी जैसे मिसाइलों के फार्मूले, रिपोर्टस तथा व्यवहार ज्ञान के दस्तावेज कहां चले गये।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि विाय वस्तु की गंभीरता को ध्यान में रखेंते हुए पूरे प्रकरण की जांच केन्द्रीय ब्यूरो से करा कर सुनिश्र्चित किया जाये कि सुरक्षा से संबंधित तकनीकी दस्तावेज, डाई, डिजाइन मशीनरी कहां गयी।